%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 044

No. 030

Kūrmeśvara Temple at Srīkūrmaṃ<1>

( S. I. I. Vol. V, No. 1268; A. R. No. 373-E of 1896 )

Ś. 1134

T

(१।) स्वस्ति श्री [ ] शकवर्ष वुलु ११३४ ने-

(२।) ण्टि वीरश्रीनरनारसिंहदेवर वि-

(३।) जयराज्यसवत्सरं वुलु

(४।) १७ श्राहि वैशाख शुक्ल ३यु पं-

(५।) डितवारमुन<2> वेनु गोंडशा-

(६।) खियैन वनगोस्तल गोत्रमु

(७।) पेदनसेट्टि कोड्कुयैन वेनम

(८।) कोड्कु एरुपोतसेट्टि तनकु-

(९।) ंपुण्यार्त्त (र्त्थ)मुगा श्रीकूर्म्म-

(१०।) देवरकुं वेट्टिन अख[ं]डादी-

(११।) प १ण्टिकि गंडमा ५ वीर नित्य-

(१२।) पदि पुष्पालु चात आचद्राक्क[म]-

(१३।) ंवैन ग ड[चि] १०नु वीर नित्य म-

<1. On a pillar, left to the fourth pillar in the second row of the Asthāna-maṇḍapa of this temple.>

<2. The date is not regular, Narasimha I ruled from 1238-39 to 1264-65 A. D. So, the reading of the Saka year is not correct. Anyway, the corresponding date may be taken as A. D. 1212.>

%%p. 045

(१४।) डवलि रेंडुकुंचालु आचं-

(१५।) द्रार्क्क[मु]चेल्लं वेट्टिन गंडमा[ड़]लु

(१६।) २ चि ४ वीर मठमु नालिकेरवु

(१७।) चेल्लु ६ ण्टिकि नीड्लुपोय वेट्टिन

(१८।) चि ६ दीपदण्डुनकु वेटिं-

(१९।) न चि ५ गावेटि(चि)न मा ९ चि ५

(२०।) ई धर्म्मवु श्रीभंडारमु-

(२१।) नं चेल्लुटकु श्रीवैष्णव-

(२२।) रक्ष श्री श्री श्री श्री [।।]